शांति की मसीहा डॉ. दादी प्रकाशमणी का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन

आबू रोड 27 अगस्त । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणी की पार्थिव देह आज यहां शांतिवन में अग्नि को समर्पित होने के साथ ही पंचतत्व में विलीन हो गयी। अतिरिक्त प्रशासिका, दादी जानकी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी तथा महासचिव ब्र. कु. निर्वैर सहित सभी दादियो एवं वरिष्ठ भाईयों ने दादी का अग्नि संस्कार किया। आबू रोड तथा माउंट आबू के व्यवसायियों ने श्रद्धा व्यक्त करते हुए आज बाजार बंद रखे।

प्रेम से निहारते हजारों अनुयायी एवं विशिष्टजननों के कंठ उस समय भर आये जब प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय के महासचिव ब्र. कु. निर्वैर ने कहा अब हम सब जन-जन की प्रिय, हमारी धड़कन दादी प्रकाशमणी को अंतिम विदाई दे रहे हैं। शांति की मसीहा के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान के शान्तिवन परिसर में विशाल हीरक सभागार के सामने विशेष मंच के चारो ओर परिसर तथा आस-पास के आवासीय भवनों के बरामदों एवं छतों पर व्यापक जन समुदाय की उपस्थिति में दादी प्रकाशमणी को अंतिम विदाई देने के लिए देश-विदेश के हजारों श्रद्धालु शान्तिवन में उपस्थित थे।

सुबह 9.00 बजे विशाल डायमंड हाल से दादी प्रकाशमणी के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार स्थल पर लाया गया। उपस्थित को सम्बोधित करते हुए संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि दादी जी सदैव लोगों के दिल को देखते हुए प्यार करती थी और उनका व्यवहार जाति पाति और भेदभाव के परे था। दादीजी के कार्यों को हम सभी मिलकर आगे बढ़ायेंगे। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी ने कहा कि दादीजी सदा ही हम सभी की प्रेरणादायी रहेगी। संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी, ब्र. कु. बृजमोहन तथा ब्र. कु. करूणा के सम्बोधन के तत्पश्चात ठीक प्रातः साढ़े दस बजे मंत्रोच्चार, बैंड की शोक ध्वनि एवं विधि-विधान के अनुसार दादी जानकी ने दिवंगत दादी प्रकाशमणी की चिता को मुखाग्नि दी । दाह संस्कार में चंदन की लकडी, शुद्ध घी सहित अन्य पवित्र सामग्री उपयोग में ली गई। तेज धूप के बावजूद हजारों श्रद्धालु भरी हुई आँखों और आदरभाव के साथ राजयोगिनी दादी प्रकाशमणी को अंतिम विदाई देने के लिए दो से ढ़ाई घंटे तक अपने स्थान पर खड़े रहे। जब दादी को मुखाग्नि दी जा रही थी उस समय सभी जनसमुदायों की आंखे नम हो गयी। अंतिम संस्कार के पूर्व चिता पर लेटी दादी को कई प्रमुख व्यक्तियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये । दाह संस्कार के दौरान पूरे शान्तिवन परिसर में ओम ध्वनि गुंजायमान हो रही थी।

अंतिम संस्कार के पूर्व आयोजित श्रद्धांजली समारोह में गुजरात के मुख्यमंत्री श्री. नरेंद्र मोदी ने उन्हे अपनी श्रद्धासुमन अर्पण किये। अहमदाबाद के शिवानंद आश्रम के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी आध्यात्मानंदजी ने भी अपनरी श्रद्धासुमन अर्पित किये। इसके साथ ही राजस्थान सरकार के प्रतिनिधि बीस सुत्री कार्यक्रम क्रियान्वन समिती के उपाध्यक्ष श्री अर्जुन देवडा सहीत देश-विदेश से आये विशिष्ठ जनों एवं साधु,संत,अधिकारी एवं राजनेताओं ने अपनी श्रद्धांजली व्यक्त की।

दादी जी के देहावसान पर देश-विदेश से बहुत से लोगों के शोक संदेश आये भारत की राष्ट्रपति डां. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे सिंधिया, आसाम के मुख्यमंत्री तरूण गोगोई, आन्ध्र प्रदेश के मुख्य न्यायमूर्ति जी. एस. सिंघवी, छत्तीसगढ़ लेजिलेटीव असेम्बली के स्पीकर प्रेम प्रकाश पाण्डेय, मोरारी बापू, योग गुरू बाबा रामदेव महाराज, आन्ध्र प्रदेश के चन्द्रबाबू नायडू, राजस्थान के पूर्व राज्यपाल मदन लाल खुराना, राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग के अध्यक्ष डा. बूटा सिंह तथा विदेशों के मैक्सिको के पूर्व गवर्नर जनरल अबासलोन डोमीनगेज, कोस्टा रोका के प्रसिद्ध लेखक रोबर्ट शुबाओ ने अपने-अपने शोक सदेश व्यक्त किये।